विद्या आश्रम, सारनाथ, वाराणसी
वार्षिक रिपोर्ट
अप्रैल 2017 – मार्च 2018

1. लोकविद्या जन आन्दोलन :

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नज़रंदाज़ करते हुए वाराणसी शहर में पटरी व्यवसाइयों को सडकों पर से उखाड़ा जा रहा है. शहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिलकर जगह-जगह धरना प्रदर्शन कर इसका विरोध किया. लोकविद्या जन आन्दोलन की इन सभी संघर्षों में भागीदारी रही. 25 जून को राजघाट में पटरी व्यवसाइयों का एक शिविर लगाया गया जिसमें पटरी उद्यम और उद्यमियों के प्रति लोकविद्या दृष्टि को भी रखा गया.

- महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 26 अप्रैल को कारीगर समाज और सामाजिक कार्यकर्ताओं की विभिन्न स्थानों पर ज्ञान पंचायतें हुई जिसमें वाराणसी से लक्ष्मण प्रसाद और बचाऊ लाल ने भागीदारी की.

- मंदसौर में किसानों पर मध्य प्रदेश सरकार ने गोली चलाई जिससे 11 किसानों कि मौत हो गई. किसानों पर सरकार के बढ़ते ज़ुल्म पर चिंता व्यक्त करते हुए 11 जून को बरईपुर गाँव में पंचायत लगाकर इसका विरोध किया गया. मोहन सराय के किसान संघर्ष समिति ने भी 9 जून को विरोध सभा की जिसमें लोकविद्या आन्दोलन की भागीदारी रही. किसानों के मुद्दों पर हुई अन्य कई बैठकों में लोकविद्या विचार को रखा गया.

- इंदौर में संजीव दाजी ने इंदौर के सुदामा नगर में एक कला केंद्र बनाकर लोकविद्या, समाज और कला के बीच संवाद को जीवंत करने की दिशा में अनेक आयोजन किये. इन सभी कार्यक्रमों में वाराणसी, हैदराबाद और नागपुर के लोकविद्या आन्दोलन के कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की. (देखें लोजआ ब्लॉग पोस्ट 9 सितम्बर 2017). इंदौर से 30 कि.म. की दूरी पर बसे ग्राम पालडी में कलाकारों का एक खुला मंच बनाने की दिशा में प्रयास शुरू हो गए.

- भारतीय किसान यूनियन की हरिद्वार महापंचायत में वाराणसी से लक्ष्मण प्रसाद के नेतृत्व में लगभग 100 किसानों की भागीदारी हुई.

- वाराणसी में राष्ट्र सेवा दल के अध्यक्ष सुरेश खैरनार की बैठकों में लक्ष्मण प्रसाद ने साथियों के साथ भागीदारी की. 29 मई को ज्योति संचार केंद्र में सुनील जी की अध्यक्षता में सुरेश खैरनार ने देश की राजनैतिक स्थिति पर विचार रखे. अध्यक्षीय भाषण में लोकविद्या दृष्टि को सामने लाया गया.

- 7-9 अगस्त को कर्णाटक के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता और रंगकर्मी प्रसन्ना जी विद्या आश्रम में रहे और इस दौरान उन्होंने ग्राम सेवा संघ, कर्णाटक के कार्यों और विचारों से अवगत कराते हुए इस बात को कहा कि लोकविद्या आन्दोलन साथ मिलकर कार्य करें और फ़िलहाल जीएसटी के विरोध में इस बात पर जनमत बनाना चाहिए कि हाथ से बने सामानों को जीएसटी से मुक्त रखा जाये. भारत माता मंदिर पर शहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हुई जिसमें जीएसटी के

विरोध को देश व्यापी बनाने की आवश्यकता को रखा. (देखें लोजआ ब्लॉग पोस्ट 13 अगस्त और 27 सितम्बर 2017)

- बिजली के बढे हुए दर को वापस लेने के लिए किसानों की पंचायत लगी. 30 अगस्त 2017 को वाराणसी के भिकारीपुर बिजली वितरण केंद्र पर पूरबी उत्तर प्रदेश के जिलों के किसान भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में एकत्र हुए. इस ज्ञान पंचायत की व्यवस्था एवं आयोजन में लोकविद्या आन्दोलन की महत्त्व पूर्ण भूमिका रही.

- किसान कारीगर पंचायत का आयोजन इस वर्ष विद्या आश्रम परिसर में हुआ. 29 अक्तूबर को हुई इस किसान कारीगर पंचायत में वाराणसी, गाजीपुर और चंदौली जिलों के किसान और कारीगरों के अलावा शहर के सामाजिक कार्यकर्त्ता भी शामिल हुए. पंचायत में पुनः सभी ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि हर किसान और कारीगर की आय सरकारी कर्मचारी की आय के बराबर हो. सारनाथ में जुलूस निकालकर पंचायत के स्वर को मुखर बनाया. (देखें लोजआ ब्लॉग पोस्ट 31 अक्तूबर 2017)

- चंपारण आन्दोलन के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर बसंत महिला महाविद्यालय, राजघाट में तीन दिवसीय सम्मलेन हुआ जिसके एक सत्र में सुनील सहस्रबुद्धे ने 'गाँधी और आज के गरीबों के आन्दोलन' पर अपने विचार रखे.

- चंपारण आन्दोलन के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शहर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने 20 मार्च 2018 को काशी विद्या पीठ में 'आज गांधीजी होते तो...' गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें चित्रा सहस्रबुद्धे ने गांधीजी के कार्यों को याद करते हुए कहा कि आज गाँधी का विचार किसान कारीगर समाजों के कार्यों और ज्ञान में देखें तो समाज में लोकहितकारी बदलाव के रास्ते खुलेंगे. यही लोकविद्या विचार है.

- भाषा आन्दोलन वाराणसी में 23 मार्च 2018 को 'अंग्रेजी हटाओ और लोकभाषा लाओ' सम्मलेन आयोजित हुआ जिसमें लोकविद्या आन्दोलन शामिल हुआ. 1967 में लोहियाजी के नेतृत्व में हुए अंग्रेजी हटाओ आन्दोलन को इस वर्ष 50 वर्ष पूरे हुए. इस उपलक्ष्य में शहर के समाजवादियों ने यह सम्मलेन आयोजित किया. सम्मलेन की तैयारी बैठकों में से कुछ विद्या आश्रम पर भी हुईं.

- कर्णाटक में लोकविद्या आन्दोलन के बढ़ते कदम (ब्लॉग पोस्ट 10 जून 2017) जून और जुलाई 2017 में सुनीलजी और चित्राजी ने बंगलुरु का प्रवास किया और सुरेश, अमित और सिवराम कृष्णन के साथ मिलकर शहर में लोकविद्या के विषय पर बहुआयामी बहस चलाई तथा लोकविद्या वेदिके के नाम से बसवनगुडी के त्यागराज नगर में एक स्थान बनाया. उपरोक्त समूह ने कलाकारों के सामने रागिकाना में, समाजशास्त्रियों के सामने अज़ीम प्रेमजी युनिवार्सिटी में, वैज्ञानिकों के सामने JNCASR और IISc में ज्ञान की दुनिया में आरहे परिवर्तन, लोकविद्या और संवाद की दुनिया के नवनिर्माण के पक्ष पर अपनी बात रखी. लोकविद्या वेदिके का उद्देश्य यह रखा गया कि ज्ञान की सभी परम्पराओं तथा क्षेत्रों के बीच संवाद के जरिये ज्ञान की दुनिया में नए मूल्यों,

जैसे भाईचारा, समानता और सामान्य जीवन की महत्ता को आकार दिया जाये. इसके जरिये एक ऐसी दुनिया की कल्पना बने जिसमें गरीबी और विषमता ना हो. देखें यह लिंक -

https://lokavidyavedike.wordpress.com/2017/06/25/meeting-to-launch-lokavidya-vedike/

http://m.prajavani.net/article/2018_01_29/550496

लोकविद्या वेदिके ने प्रसन्नाजी के नेतृत्व में संगठित ग्राम सेवा संघ के साथ व्यापक सहयोग का रुख अपनाया. जिसमें हाथ से बनी वस्तुओं पर जीएसटी न लगाने की मांग प्रमुख रही है.

- चेन्नई में लोकविद्या वार्ता 24 जून 20 17 को की एन. कृष्णन के निमंत्रण पर चेन्नई में PPST व कुछ अन्य मित्रों के साथ लोकविद्या के विचार पर सुनील और चित्रा ने विमर्श किया. इस बैठक में उपस्थित थे सी.एन. कृष्णन, बालसुब्रमन्यन, कन्नन, अपर्णा व श्रीमान, शांति, विजय CMI, एम.डी. श्रीनिवास, श्रीमती एवं श्रीमान राजाराम, विद्या, रामसुब्रमन्यन, ससी, चित्रा और सुनील.
- सी.वी. सेषाद्री स्मृति सम्मलेन, चेन्नई (लोजआ ब्लॉग पोस्ट 20 नवम्बर 2017) Dialogues at the Science-Society Interface: Some Contemporary Issues and Themes. Conference in memory of Prof. C.V. Seshadri, 8-10 Feb. 2018, IIT Madras Research Park, Taramani, Chennai. इस सम्मलेन का विचार बनाने तथा भागीदारी की विविधता की दृष्टि से विद्या आश्रम ने महत्त्व पूर्ण सहयोग किया. सम्मलेन में लोकविद्या के लिए एक सत्र था तथा ज्ञान की दुनिया पर सूचना प्रोद्योगिकी के असर पर भी एक सत्र था. इन दोनों सत्रों को सुरेश, अमित, चित्रा और सुनील ने मिलकर आकार दिया. यह सम्मलेन अन्ना यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में एम्.एस. स्वामीनाथन और एम्. अनंत कृष्णन की उपस्थिति में सी.एन. कृष्णन द्वारा प्रमुखतः आयोजित था. सम्मलेन में प्रस्तुत लेखों के सारांश से बनी एक स्मारिका प्रकाशित की गई.
- इन्टरनेट पर लोकविद्या वार्ताएं विद्या आश्रम वेब साईट vidyaashram.org , लोकविद्या जन आन्दोलन lokavidyajanandolan.blogspot.in ब्लॉग और फेसबुक के जरिये जारी रहीं.
- प्रकाशन : इस वर्ष वाराणसी और हैदराबाद से निम्नलिखत पुस्तिकाओं का प्रकाशन हुआ.
    - ‘स्वराज पर विमर्श के सन्दर्भ: स्वदेशी ज्ञान और स्वदेशी समाज’ वाराणसी से
    - ‘लोकविद्या स्वराज’ हैदराबाद से
    - ‘Lokavidya Bazar – A Necessity’ हैदराबाद से
    - लोकविद्या प्रपंचम (तेलुगु) का प्रकाशन हैदराबाद से जारी है.
- आश्रम समिति बैठक : 20 जनवरी 2018 को बंगलुरु में विद्या आश्रम समिति की बैठक संपन्न हुई. देश और दुनिया में हो रहे परिवर्तनों पर चर्चा की गई. शिक्षा, रोज़गार, आरक्षण और

आय पर विस्तार से चर्चा हुई. विद्या आश्रम के विचार और संगठन की दृष्टि से लोकविद्या और आय के बीच सम्बन्ध तथा आश्रम का वितरण के विचार पर आधारित ढांचे के रूप में नया अवतरण बनाने पर लम्बी बात हुई. हैदराबाद के डा. नरेश शर्मा ने अन्य सदस्यों के सहयोग से दोनों पर ही विचार बनाने और एक प्रस्ताव तैयार करने की ज़िम्मेदारी ली.

- राष्ट्रीय बैठक : 21 जनवरी को नॅशनल कालेज के हॉल में ग्राम सेवा संघ के साथ मिलकर एक सार्वजनिक सभा की गई. इसमें वर्तमान परिस्थितियों में लोकविद्या के महत्व पर सुनील सहस्रबुद्धे, बी. कृष्ण राजुलु, जे.के. सुरेश, अमित बसोले, संजीव कीर्तने, लक्ष्मण प्रसाद, प्रेमलता सिंह और चित्रा सहस्रबुद्धे ने अपने विचार रखे और वाराणसी से हो रहे कार्यों तथा लोकविद्या वेदिके बंगलुरु के बारे में बताया. ग्राम सेवा संघ के अध्यक्ष प्रसन्ना जी ने समाज की अवनति में मशीन की भूमिका बताई तथा हाथ से बनी वस्तुओं के पक्ष में विस्तृत तर्क रखे.